तर्ज--मुझे और जीने की

श्री राज मेरे मैं अंगना तेरी
तेरा इश्क चाहूं तुझको रिझाऊं

1--इश्क तुमारा मैं फेर फेर चाहूं
प्यारे मिलूं पिउ सो बेर बेर चाहूं
मैं आशा की लड़िया रह रह के पिरोती

2--जाम वाहेदत के भर भर पिला दो
इश्क सुराही फिर छलका दो
भर तो पैमाने जो अब तक है खाली

3--अवगुणो का मेरे पार नही है
तेरी मेहर का शुमार नही है
अंगना हूं तेरी चरणो में जगा लो

Nijanand App